इंडोर खेल स्टेडियम इटावा का शिलान्यास और माडा व पंचायत समिति के विकास कार्यों का शिलान्यास/लोकार्पण के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

आज इटावा में आप सब के बीच उपस्थित होकर मुझे प्रसन्नता हो रही है। इटावा के मेरे सम्माननीय लोगों को आज कई सौगात मिलने जा रही है। इसके लिए आप सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएं।

आज हम यहाँ इटावा में इंडोर खेल स्टेडियम का शिलान्यास करने जा रहे हैं। और इसी के साथ आज हम यहाँ माडा और पंचायत समिति के कई विकास कार्यों का शिलान्यास करने जा रहे हैं। इसी के साथ हम कई कार्यों का लोकार्पण भी करने जा रहे हैं।

इटावा के सभी सम्मानित जनों; कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र में बनने वाला यह चौथा इंडोर स्टेडियम होगा। अभी रामगंजमंडी, लाखेरी और सुल्तानपुर में इंडोर स्टेडियम का काम चल रहा है।

साढ़े चार करोड़ रुपए की लागत से यहाँ इटावा में यह इंडोर खेल स्टेडियम बनकर तैयार होगा। मैं इसके लिए आप सभी को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।

इस स्टेडियम में बैडमिंटन के लिए 4 कोर्ट, वॉलीबाल, हैन्ड्बॉल, बास्केटबॉल, टेबल टेनिस के कोर्ट तैयार होंगे। यहाँ हमारे नौजवान खो-खो खेल पाएंगे।

यहाँ स्थानीय लोग सुबह-शाम के समय योगाभ्यास कर अपने आप को स्वस्थ रख सकेंगे। इटावा के नौजवानों के साथ ही यहाँ के बड़े-बुजुर्गों और महिलाओं के लिए भी यह स्टेडियम बड़ा उपयोगी होगा।

मैं जब भी इटावा आता तो देखता था कि कहीं किसी प्लॉट में नेट लगाकर वॉलीबाल खेली जा रही है। कहीं हमारे युवा किसी खुली जगह में बैडमिंटन खेल रहे हैं। मैदान असमतल है, धूल-मिट्टी से भरा है। खिलाड़ियों को चोट लगने का डर है। लेकिन फिर भी हमारे युवा खेल रहे हैं, क्योंकि उनमें एक जुनून है कि वे आगे बढ़ सकें।

इटावा की यह धरती खेती-किसानी और मेहनतकश लोगों की धरती है। यहाँ के युवाओं में असीम प्रतिभा है। यहाँ के युवा कोटा और दिल्ली की कोचिंग में अध्ययन भी कर रहे हैं, तो खेल एकेडमियों में ट्रेनिंग भी ले रहे हैं।

लेकिन अब तक स्थिति यही है कि खेल में प्रतिभावान यहाँ के युवाओं को अपने घर से दूर, अपने गाँव, अपने इटावा को छोड़कर जाना होता है। उन्हें या तो कोटा या अन्य किसी जगह जाना होता है। यदि आर्थिक कारणों से यह संभव नहीं हो पाता है, तो युवाओं को कई बार खेल तक छोड़ना पड़ता है।

मैं जब भी यहां के खिलाड़ियों को देखता, तो मेरे मन में यह बात खटकती थी। मैंने यह प्रयास किया कि यहाँ के युवाओं को यहीं अपने घर के पास स्थानीय स्तर पर ऐसा स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर मिले, जिससे वे यहीं प्रेक्टिस करते हुए अपने खेल में, अपने कौशल में, अपने हुनर में सुधार कर सकें।

आज यह मौका आया है, जब इटावा को अपना खुद का इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मिलने जा रहा है। इस इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण के बाद हम खिलाड़ियों की ऐसी पौध तैयार कर पाएंगे, कि आने वाले कुछ एक वर्षों बाद इटावा की धरती होनहार खिलाड़ियों के लिए भी जानी जाएगी।

मुझे विश्वास है कि इस स्टेडियम के बन जाने के बाद इटावा के युवा खेल प्रतिभाओं को बेसिक ट्रेनिंग के लिए किसी शहर में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

यहाँ विभिन्न खेलों के लिए इंडोर (covered) हॉल होंगे। इससे बारिश, धूप जैसे मौसम में भी क्षेत्र के युवा बड़े आराम से अपनी प्रैक्टिस कर पाएंगे।

हम ऐसी सुविधाएं कोटा-बूंदी के सभी खिलाड़ियों को देना चाहते हैं।इसके लिए हम सम्पूर्ण संसदीय क्षेत्र में चरणबद्ध रूप से कार्ययोजना के तहत स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रहे हैं।

पिछले इन वर्षों में कोटा-बूंदी में खेलों के विकास के लिए कई कार्य किए हैं। स्कूलों में खेल मैदान तैयार करवाए हैं, कई पार्क बनवाए हैं और पार्कों में ओपन जिम बनवाए हैं। बूंदी में जो खेल संकुल बना है, उसमें इंटरनेशनल लेवल का स्वीमिंग पूल तैयार हो रहा है।

श्रीनाथपुरम स्टेडियम के सिंथेटिक ट्रेक पर अभी करीब 3 – 4 महीने पहले राज्यस्तरीय जूनियर एथलेटिक्स टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था। तब 2100 से अधिक युवा खिलाड़ी पूरे राजस्थान से कोटा में पधारे थे। 3 साल पहले भी कोटा में स्टेट लेवल जूनियर एथलेटिक्स टूर्नामेंट का आयोजन हुआ था। इन टूर्नामेंट्स का आयोजन कोटा में हो पा रहा है, क्योंकि कोटा-बूंदी में खेल क्षेत्र में आधारभूत विकास हो रहा है।

मेरे प्रिय सम्मानित जनों; इटावा के सर्वांगीण विकास के लिए मैं पूरी तरह प्रतिबद्ध हूँ। आज यहाँ हम 41 करोडरुपए से अधिक की राशि से विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास कर रहे हैं।

सडकें और पुल आवागमन को सुलभ बनाते हैं। इसी सोच के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार के लिए पीपल्दा खाडी पर 9 करोड तथा लुहावद खाडी पर 5 करोड रुपए की लागत से उच्चस्तरीय पुल का निर्माण कार्य करवाया जाएगा।

इनके अलावा 9 करोड रूपए की लागत से 19 ग्रामीण सडकों का निर्माण होगा, जिसमें साढे चार करोडकी लागत से सम्मानपुरा-नीमसरा-ककरावदा-सुमेरनगर सड़क का सुदृढीकरण एवं नवीनीकरण कार्य, नगर पालिका क्षेत्र इटावा में ढाई करोड की लागत से खातौली सडक से फतेहपुर के रास्ते इटावा बाइपास तक सडक निर्माण कार्य तथा 88 लाख की लागत से ग्राम करवाड से शोभागपुरा की ओर डामर सडक का निर्माण कार्य शामिल है।

शोभागपुरा से ग्राम करवाड तक जाने में अभी करीब 40 मिनट लग जाती है। इसके लिए शोभागपुरा से पीपलदा जाओ, फिर खेरड़ा जाओ, फिर वहाँ से करवाड जाओ।

घूम-घूमकर जाने में इतना समय लगता है। अब शोभागपुरा से ग्राम करवाड तक डामर सडक का निर्माण होने से ये रास्ता 10 मिनट के अंदर तय हो जाएगा।

यहाँ ग्रामीण क्षेत्र में बच्चों को शिक्षा की सभी बुनियादी सुविधाएं मिलें, इसके लिए इटावा क्षेत्र के 39 गांवों में 6 करोड रुपए की लागत से कक्षा कक्षों, खेल मैदानों, फर्नीचर, चार दीवारी आदि कार्य करवाए जाएंगे। इनमें राजकीय प्राथमिक विद्यालय खातौली के भवन की मरम्मत एवं सुदृढीकरण कार्य पर ही 74 लाख रूपए व्यय होंगे।

हमारे ग्रामीण भाइयों को अपने घर-परिवार के कार्यक्रमों के लिए एक सुविधाजनक स्थान उपलब्ध हो; इसके लिए 10 गांवों में 2 करोडरुपए की लागत से सामुदायिक भवनों का भी निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा प्रतीक्षालय, मुक्तिधाम, ओपन जिम, सभागार जैसी आवश्यकताओं पर भी 6 करोड रूपए खर्च किए जाएंगे।

मुझे विश्वास है कि ये विकास कार्य सम्पूर्ण इटावा क्षेत्र को विकास की नई दिशा देंगे। इनसे यहाँ के सभी लोगों को सुविधा मिलेगी। बच्चों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठजनों के सुखद जीवन का मार्ग प्रशस्त होगा।

इसी विश्वास के साथ, इसी संदेश के साथ मैं एक बार फिर आप सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएं देता हूँ। धन्यवाद, जय हिन्द।